उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्र के लिए गेहूँ उत्पादन की नवीनतम तकनीकियाँ

किस्मों का चुनाव

उत्पादन स्थिति	बुआई का समय	नवीन किस्में
सिंचित	समय से बुआई (5–25 नवम्बर)	करण वंदना (डीबीडब्ल्यू 187), एचडी 2967, एनडब्ल्यू 5054, के 1006 एवं राज 4120
	देरी से बुआई (10–25 दिसम्बर)	डीबीडब्ल्यू 107, एचडी 3118, एचडी 2985 एवं एचआई 1563
सीमित सिंचाई/वर्षा आधारित	20 अक्तूबर से 5 नवम्बर	एचआई 1612, के 1317 एवं एचडी 3171
लवणीय एवं क्षारीय भूमि के लिए	समय से बुआई (5–25 नवम्बर)	केआरएल 213 एवं केआरएल 210

बीज दर

- समय से बुवाई – 40 किलो ग्राम प्रति एकड़ ।
- देरी से बुवाई–50 किलो ग्राम प्रति एकड़।

पंक्तिबद्ध बुआई

- पंक्ति से पंक्ति की दूरी समय से बुआई के लिए 20 से.मी. तथा देरी से बुआई के लिए 15–17.5 से.मी. रखें।
- पोषक तत्वों का समुचित उपयोग।
- फसल अपेक्षाकृत कम गिरती है।
- छिटकवा विधि की अपेक्षा 1500 रूपए प्रति एकड़ का लाभ।

शून्य जुताई विधि (जीरो टिलेज)

- गेहूँ की बुआई 7 से 10 दिन शीघ्र कर सकते हैं।
- जुताई पर होने वाले खर्च में 1500 रूपए/एकड़ की बचत ।
- उपज में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि ।
- इस विधि से गेहूँ की समय से बुआई होने के कारण पारंपरिक विधि की तुलना में 2000–2500 रूपए प्रति एकड़ का लाभ।

लेजर लैंड लेवलर से भूमि का समतलीकरण

सिंचाई जल की उपयोगिता में वृद्धि के कारण 15–20 प्रतिशत जल की बचत 3–4 साल में एक बार समतलीकरण कराना चाहिए।

सम्पादन एवं संकलन : अनुज कुमार, अमित शर्मा, चन्द्रनाथ मिश्र, आर.एस. छोकर एवं जी.पी. सिंह

पोषक तत्व प्रबंधन

समय से बुआई

- 75 किलोग्राम/एकड़ एनपीके–12:32:16 अथवा 50 किलोग्राम डीएपी + 25 किलोग्राम एमओपी प्रति एकड़ बुआई के समय डालें।
- 55 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ प्रथम सिंचाई पर।
- 55 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ दूसरी सिंचाई पर।

देरी से बुआई

- 75 किलो ग्राम एनपीके–12:32:16 अथवा 50 किलोग्राम डीएपी +25 किलो ग्राम एमओपी बुआई के समय।
- 40 किलोग्राम यूरिया प्रथम सिंचाई पर।
- 40 किलोग्राम यूरिया दूसरी सिंचाई पर।

सीमित सिंचाई

- 75 किलोग्राम एनपीके–12:32:16 + 30 किलो ग्राम यूरिया अथवा 50 किलो ग्राम डीएपी + 25 किलोग्राम एमओपी + 30 किलोग्राम यूरिया बुआई के समय।
- 30 किलोग्राम यूरिया प्रथम सिंचाई पर।

सूक्ष्म पोषक तत्व

- बोरॉन : 4.0 किग्रा बोरेक्स प्रति एकड़।
- ज़िंकः 10 किग्रा ज़िंक सल्फेट (21 प्रतिशत) प्रति वर्ष प्रति एकड़ बुआई के समय या 0.5 प्रतिशत ज़िंक सल्फेट (1 किग्रा ज़िंक सल्फेट + 5.6 किग्रा यूरिया को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर) फसल की बुआई के 35.40 दिन बाद छिड़काव करना चाहिए।
- 4.5 वर्ष में एक बार मिट्टी एवं सिचाई जल की जाँच अवश्य करायें।

सिंचाई प्रबंधन

सिंचाई की उपलब्धता	बुआई के बाद सिंचाई (दिनों में)
दो	21,85
तीन	21,65,105
चार	21,45,85,105
पाँच	21,45,65,85,105

खरपतवार प्रबंधन

- गेहूँ में खरपतवार नियंत्रण के लिए पेंडीमेथलीन 30 ईसी नामक दवा 1.5 लीटर प्रति एकड़ की दर से बुआई के 3 दिन तक स्प्रे करें।
- चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2, 4–डी 38 ईसी नामक दवा की 500 मि.ली./एकड़ या मेटसल्फुरोन नामक दवा की 8 ग्राम/एकड़ मात्रा का 120–150 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- संकरी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए आइसोप्रोटुरोन 500 ग्राम या सल्फोसल्फ्यूरॉन 13.5 ग्राम या क्लोडिनाफ़ोप 15 डब्ल्यू पी 160 ग्राम या पिनोक्साडेन 400 मि.ली./एकड़ मात्रा का प्रयोग करना चाहिए।

भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान
करनाल–132001 (हरियाणा)